

प्रधानमंत्री कार्यालय



मलखेड, कर्नाटक में नव घोषित राजस्व गांवों के पात्र लाभार्थियों को टाइटल डीड्स (हक्कू पत्र) के वितरण के अवसर पर प्रधानमंत्री के भाषण का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 19 JAN 2023 6:15PM by PIB Delhi

भारत माता की जय!

भारत माता की जय!

कर्नाटका तांडेर, मार गोर बंजारा बाई-भिया, नायक, डाव, कारबारी, तमनोन हाथ जोड़ी राम-रामी!

जय सेवालाल महाराज! जय सेवालाल महाराज! जय सेवालाल महाराज! कलबुर्गी-या, श्री शरण बसवेश्वर, मत्तू, गाणगापुरादा गुरु दत्तात्रेयरिगे, नन्ना नमस्कारगडू! प्रख्याता, राष्ट्रकूटा साम्राज्यदा राजधानी-गे मत्तू, कन्नडा नाडिना समस्त जनते-गे नन्ना नमस्कारगडू!

कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद जी गहलोत, कर्नाटक के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री बासवराज बोम्मई जी, केंद्रीय मंत्रिमंडल में मेरे सहयोगी भगवंत खुबा जी, कर्नाटक सरकार के मंत्रीगण, सांसदगण और विधायक गण और विशाल संख्या में आ करके हमें आशीर्वाद देने वाले मेरे प्यारे भाइयों और बहनों!

2023 का वर्ष आरम्भ हुआ है। जनवरी का महीना है और वैसे भी जनवरी अपने आप में बड़ा खास होता है। जनवरी के महीने में हमारे देश का संविधान लागू हुआ था, देशवासियों को आजाद भारत में उनके अधिकार सुनिश्चित हुए थे। ऐसे पावन महीने में आज कर्नाटक की सरकार ने सामाजिक न्याय के लिए Social Justice के लिए एक बहुत बड़ा कदम उठाया है। आज कर्नाटक के लाखों बंजारा साथियों के लिए बहुत बड़ा दिन है। अभी 50 हजार से अधिक परिवारों को पहली बार उनके घर, उनकी रिहाइश का हक मिला, हक्कु पत्र, मिला है। ये कर्नाटक में तांडा बस्तियों में रहने वाले हजारों साथियों, घुमंतू परिवारों के बेटे-बेटियों के उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने वाला है। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के कलबुर्गी, बीदर, यादगीर, रायचूर और विजयपुरा जिलों की तांडा बस्तियों में रहने वाले सभी मेरे बंजारा भाइयों-बहनों को हृदय से बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। कर्नाटक सरकार ने 3000 से अधिक तांडा बस्तियों को राजस्व गांव का दर्जा देने का बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। और इस प्रशंसनीय कदम के लिए मैं श्री बोम्मई जी और उनकी पूरी टीम को भी बहुत-बहुत बधाई देता हूँ।

मेरे प्यारे भाइयों-बहनों,

ये क्षेत्र मेरे लिए नया नहीं है और बंजारा समाज भी नया नहीं है, क्योंकि राजस्थान से लेकर के पश्चिमी भारत में नीचे तक चले जाइए। हमारे बंजारा समुदाय के भाई-बहन राष्ट्र विकास में अपने तरीके से बहुत बड़ा योगदान दे रहे हैं। और मुझे हमेशा पुराने समय से उनके साथ जुड़ने का आनंद आता रहा है। मुझे बहुत याद है कि 1994 के विधानसभा चुनाव के समय इसी पूरे क्षेत्र में एक रैली में मुझे बुलाया गया था। और मैंने वहां जब उस रैली में लाखों की तादाद में हमारे बंजारा भाई-बहनों को देखा और बंजारा माताएं-बहनें परंपरागत वेशभूषा में लाखों की तादाद में आकर के आशीर्वाद दिए थे। वो पल मैं कभी भूल नहीं सकता भाइयों। आज आप सभी के लिए कर्नाटक सरकार का ये प्रयास जब मैं देखता हूँ तो मुझे सबसे ज्यादा खुशी हो रही है।

भाइयों और बहनों,

डबल इंजन सरकार ने सुशासन और सद्भाव का वो रास्ता चुना है, जो सदियों पहले भगवान बसवन्ना ने देश-दुनिया को दिया था। भगवान बसवेश्वर ने अनुभव मंडपम जैसे मंच से सामाजिक न्याय का, लोकतंत्र का एक मॉडल दुनिया के सामने रखा था। समाज के हर भेदभाव, हर ऊंच-नीच से ऊपर उठकर सबके सशक्तिकरण का मार्ग उन्होंने हमें दिखाया था। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास, इस मंत्र में भी वही भावना है जो भगवान बसवेश्वर ने हमें दी थी। आज कलबुर्गी में हम इसी भावना का विस्तार देख रहे हैं।

साथियों,

हमारे बंजारा समुदाय, घूमंतू-अर्ध घूमंतू समुदाय ने दशकों तक बहुत असुविधा झेली है। अब सबके लिए गौरव और गरिमा के साथ जीने का समय आया है। और मैं देख रहा था, जब ऊपर मेरा बंजारा परिवार से मिलना हुआ, एक मां जिस प्रकार से मुझे आशीर्वाद दे रही थी, जिस प्रकार से अपनी भावनाएं व्यक्त कर रही थी, समाज के लिए जीने-मरने की बहुत बड़ी ताकत देने वाले आशीर्वाद वो मां दे रही थी। आने वाले वर्षों में इन समुदायों के विकास और कल्याण के लिए सैकड़ों करोड़ रुपये का विशेष प्रावधान भी किया गया है। बंजारा समाज के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की मुफ्त कोचिंग का भी प्रबंध किया जा रहा है। ऐसे समुदायों के लिए आजीविका के नए साधनों का भी निर्माण किया जा रहा है। झुगियों के बजाय इन साथियों को पक्के घर मिले, इसके लिए भी सहायता दी जा रही है। बंजारा, घूमंतू-अर्ध घूमंतू समुदायों का स्थाई पता, स्थाई रिहाइश ना होने के कारण जो सुविधाएं उन्हें नहीं मिल पा रही थी, उनका समाधान भी किया जा रहा है। आज का ये आयोजन, इसी समाधान की दिशा में उठाया गया अहम कदम है। 1993 में यानि 3 दशक पहले इसकी सिफारिश की गई थी। लेकिन उसके बाद सबसे अधिक जिस दल का शासन यहां रहा, उसने सिर्फ वोट-बैंक बनाने पर ही ध्यान दिया। इन उपेक्षित परिवारों का जीवन बनाने की उन्होंने कभी नहीं सोची। तांडा में रहने वाले साथियों ने अपने हक के लिए लंबा संघर्ष किया है, अनेक कठिनाइयां झेली हैं। एक बहुत लंबा इंतज़ार आप सबको करना पड़ा है। लेकिन अब उदासीनता का वो पुराना माहौल भाजपा की सरकार ने बदल दिया है। मैं आज मेरी इन बंजारा माताओं से कहना चाहता हूँ, आप निश्चित रहिए, आपका एक बेटा दिल्ली में बैठा है।

अब जब तांडा बस्तियों को गांवों के रूप में मान्यता मिल रही है, तो इससे गांवों में मूलभूत सुविधाओं का तेज़ी से विकास होगा। अपने घर, अपनी जमीन का कानूनी दस्तावेज मिलने के बाद अब परिवार निश्चित होकर जी पाएंगे और बैंकों से ऋण लेना भी आसान होगा। केंद्र सरकार देशभर के गांवों में स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण घरों के प्रॉपर्टी कार्ड दे रही है। कर्नाटक में तो अब बंजारा समाज को भी ये सुविधा मिलने लगेगी। अब आप अपने बच्चों को ठीक से स्कूल भेज पाएंगे, डबल इंजन सरकार की हर कल्याणकारी योजना का सीधा लाभ ले पाएंगे। अब झुगियों में जीने की मजबूरी भी आपके लिए कल की बात बन गई है। पीएम आवास योजना से पक्के घर, घर में टॉयलेट, बिजली कनेक्शन, नल से जल, पानी का कनेक्शन, गैस का चूल्हा, सब मदद मिलने वाली है।

भाइयों और बहनों,

कर्नाटक सरकार के इस फैसले से बंजारा साथियों के लिए आजीविका के भी नए साधन बनने वाले हैं। वनोपज हो, सूखी लकड़ी, शहद, फल, ऐसी अनेक चीजें, इनसे भी अब कमाई के साधन मिलेंगे। पहले की सरकार जहां कुछ ही वन उपजों पर एमएसपी देती थी। हमारी सरकार आज 90 से ज्यादा वन उपजों पर एमएसपी दे रही है। कर्नाटक सरकार के फैसले के बाद अब इसका लाभ भी तांडा में रहने वाले मेरे सभी परिवारों को भी मिलेगा।

साथियों,

आज़ादी के अनेक दशकों बाद एक बहुत बड़ी आबादी ऐसी थी, जो विकास से वंचित थी, सरकारी मदद के दायरे से बाहर थी। देश में जिन्होंने लंबे समय तक शासन किया, उन्होंने ऐसे साथियों का सिर्फ नारे देकर वोट तो ले लिया, लेकिन उनके लिए ठोस फैसले नहीं किए। ऐसे दलित, वंचित, पिछड़े, आदिवासी, दिव्यांग, महिलाएं, समाज के ऐसे सभी वंचित वर्गों को उनको पहली बार अब उनका पूरा हक मिल रहा है। सशक्तिकरण के लिए हम एक स्पष्ट रणनीति के साथ काम कर रहे हैं। इसके लिए अवश्यकते, आकांक्षे, अवकाशा, मनु गौरवा, इन पहलुओं पर हम ध्यान दे रहे हैं। अब जैसे गरीब, दलित, वंचित, पिछड़े, आदिवासी, दिव्यांग, महिलाएं, ऐसे सब वंचित समाज जो मूल सुविधाओं से वंचित हैं। झुगियों का जीवन बिताने वाले, बिना टॉयलेट, बिना बिजली, बिना गैस, बिना पानी कनेक्शन के जीवन बिताने वाले अधिकांश इन्हीं समाज के लोग होते हैं। हमारी सरकार अब इन्हें ये मूल सुविधा भी दे रही है और तेज़ गति से दे रही है। महंगे इलाज के कारण स्वास्थ्य

सुविधाओं से भी यही वर्ग अधिक वंचित था। आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की गारंटी हमारी ही सरकार ने दी। दलित हो, वंचित हो, पिछड़े हो और आदिवासियों हों, उन सब तक पहले सरकारी राशन नहीं पहुंच पाता था। आज इन परिवारों को मुफ्त राशन भी सुनिश्चित हुआ है, राशन की सप्लाई पारदर्शी हुई है। जब मूल सुविधाएं पूरी होती हैं, तब गौरव बढ़ता है, नई आकांक्षाएं जन्म लेती हैं।

रोज-रोज के संकटों से बाहर निकलकर लोग अपने परिवार का जीवन ऊपर उठाने में जुट जाते हैं। इन्हीं आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए हमने आर्थिक समावेश, आर्थिक सशक्तिकरण के रास्ते बनाए। दलित, पिछड़े, आदिवासी, यही सबसे बड़ा वर्ग था, जिसने कभी बैंक का दरवाजा भी नहीं देखा था। जनधन बैंक खातों ने करोड़ों वंचितों को बैंकों से जोड़ा है। एससी, एसटी, ओबीसी और महिलाओं की एक बहुत बड़ी आबादी ऐसी थी, जिसके लिए बैंकों से लोन पाना किसी सपने से कम नहीं था। जब कोई अपना काम शुरू करना चाहता था, तो बैंक कहते थे कि बैंक गारंटी कहाँ है? लेकिन जिनके नाम पर कोई प्रॉपर्टी ही ना हो, तो वो गारंटी कैसे दे पाता? इसलिए हमने मुद्रा योजना के रूप में बिना गारंटी के ऋण की योजना शुरू की। आज मुद्रा योजना के तहत लगभग 20 करोड़ लोन SC/ST/OBC को मिले हैं, इस वर्ग से नए उद्यमी बन रहे हैं। मुद्रा की लगभग 70 प्रतिशत लाभार्थी हमारी माताएं-बहनें हैं, महिलाएं हैं। इसी प्रकार रेहड़ी, ठेले, पटरी, इस पर छोटा-मोटा कारोबार करने वाले साथियों की पहले की सरकारें सुध नहीं लेती थीं। आज स्वनिधि योजना से इन साथियों को भी पहली बार बैंक से सस्ता और सुलभ ऋण मिल पा रहा है। ये सारे कदम वंचितों की आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम बन रहे हैं। लेकिन हम एक कदम आगे बढ़कर अवकाशा यानि नए अवसर बना रहे हैं, वंचित समाज के युवाओं को नया विश्वास दे रहे हैं।

साथियों,

महिला कल्याण के लिए संवेदनशील हमारी सरकार आज नए-नए सेक्टर्स में उनके लिए अवसर बना रही है। आदिवासी कल्याण के लिए संवेदनशील हमारी सरकार आदिवासियों के योगदान, उनके गौरव को राष्ट्रीय पहचान देने का काम कर रही है। दिव्यांगों के अधिकारों और उनकी सुविधाओं से जुड़े अनेक प्रावधान भी बीते 8 वर्षों में किए गए हैं। उपेक्षित वर्गों से जुड़े साथी आज पहली बार देश की अनेक संवैधानिक संस्थाओं के शीर्ष पर हैं। ये हमारी सरकार है जिसने पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया। ये हमारी सरकार है जिसने ऑल इंडिया मेडिकल कोटे में ओबीसी वर्ग को आरक्षण का लाभ दिया। ये हमारी सरकार है जिसने केंद्र सरकार की ग्रुप-सी, ग्रुप-डी भर्तियों में इंटरव्यू की बाध्यता खत्म की। मेडिकल, इंजीनियरिंग, टेक्निकल विषयों की पढ़ाई स्थानीय भारतीय भाषाओं में हो, इसका प्रावधान भी हमारी सरकार ने ही किया है। इन कदमों के भी सबसे बड़े लाभार्थी हमारे गांव और गरीब परिवारों के युवा हैं, SC/ST/OBC के युवा हैं।

भाइयों और बहनों,

ये भी हमारी सरकार ही है जिसने बंजारा समुदाय, घुमंतू-अर्ध घुमंतू समुदाय के लिए विशेष विकास और कल्याण बोर्ड का गठन किया। गुलामी का कालखंड हो या फिर आजादी के बाद का लंबा समय, देशभर में फैला बंजारा समुदाय, घुमंतू समुदाय हर प्रकार से उपेक्षित रहा। इतने दशकों तक इन समुदायों की सुध नहीं ली गई। अब जाकर केंद्र सरकार ने वेलफेयर बोर्ड का गठन कर ऐसे सभी परिवारों के सशक्तिकरण के लिए बड़ा कदम उठाया है। हमारी सरकार हर कल्याणकारी योजना से इन परिवारों को जोड़ने का प्रयास कर रही है।

साथियों,

डबल इंजन सरकार, भारत में रहने वाले हर समाज की परंपरा, संस्कृति, खान-पान वेश-भूषा को हमारी ताकत मानती है। हम इस ताकत को सहेजने, इसको संरक्षित रखने के बहुत बड़े पक्षधर हैं। सुहाली, लम्बानी, लम्बाडा, लबाना और बाजीगर, जो भी नाम लें, आप सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और जीवंत हैं, देश की शान हैं, देश की ताकत हैं। आपका हज़ारों वर्षों का एक इतिहास है। इस देश के विकास में आपका एक योगदान है। इस धरोहर को भी हमें मिलकर आगे बढ़ाने का प्रयास करना है। हमें सबका साथ लेकर ही सबका विश्वास करना है। और मेरे बंजारा परिवार यहां हैं तो मैं जरूर कहना चाहूंगा, मैं गुजरात प्रदेश से आता हूँ, गुजरात और राजस्थान ये प्रदेश बारिश कम होती है, सूखा रहता है, पानी की किल्लत होती है, लेकिन अनेक गांवों में सैकड़ों साल पहले पानी के लिए कुछ न कुछ व्यवस्थाएं खड़ी हुई हैं। और आज भी वो गांव के लोग कहते हैं कि ये लाखा बंजारा ने ही बनवाया था, ये लाखा बंजारा ने बनवाया था। आप किसी भी गांव में जाओ, पानी के प्रबंध की कोई व्यवस्था बनी है तो मेरे गुजरात और राजस्थान में लाखा बंजारा का नाम सबसे पहले आता है। जिस लाखा बंजारा ने सदियों पहले समाज की इतनी बड़ी सेवा की, ये मेरा सौभाग्य है कि उस बंजारा परिवारों की सेवा करने का आपने मुझे मौका दिया है। मैं

आप सभी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मैं आपके सुखद और समृद्ध भविष्य की कामना करता हूं। और आपने आकर के हमें आशीर्वाद दिये, ये हमारी बहुत बड़ी पूंजी है, बहुत बड़ी ऊर्जा है, बहुत बड़ी प्रेरणा है। मैं आपका कोटि-कोटि धन्यवाद करता हूं।

नमस्कार!

DS/ST/AV

(रिलीज आईडी: 1892260) आगंतुक पटल : 304

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: Bengali , Kannada , English , Urdu , Marathi , Assamese , Manipuri , Punjabi , Gujarati , Odia , Tamil , Telugu , Malayalam

प्रधानमंत्री कार्यालय



पीएम नरेंद्र मोदी की यूट्यूब यात्रा: वैश्विक प्रभाव के 15 वर्ष

यूट्यूब फैनफेस्ट इंडिया 2023 पर साथी यूट्यूबर्स को वीडियो संबोधन

प्रविष्टि तिथि: 27 SEP 2023 8:29PM by PIB Delhi

मेरे साथी यूट्यूबर्स, आज एक **Fellow Youtuber** के तौर पर आपके बीच आकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। मैं भी आपके जैसा ही हूँ, अलग थोड़े ही हूँ। 15 वर्षों से मैं भी एक यूट्यूब चैनल के जरिए देश और दुनिया से कनेक्टेड रहता हूँ। मेरे पास भी बहुत सारे **subscribers** और उनका एक **Decent Number** है।

मुझे बताया गया है कि आज यहाँ करीब 5 हजार क्रिएटर्स, एस्पाइरिंग क्रिएटर्स की एक बहुत बड़ी **community** मौजूद है। कोई गेमिंग पर काम करता है, कोई टेक्नोलॉजी पर **educate** करता है, कोई **food blogging** करता है, तो कोई **travel** ब्लॉगर है, कोई **lifestyle influencer** है।

Friends, मैं वर्षों से ये देखता रहा हूँ कि कैसे आपका **Content** देश के लोगों को **Impact** करता रहता है। और हमारे पास एक मौका है कि इस **impact** को हम और **effective** कर सकते हैं। हम एक साथ मिलकर देश की बहुत बड़ी आबादी के जीवन में बदलाव ला सकते हैं। हम एक साथ मिलकर कितने ही लोगों को और सशक्त कर सकते हैं, **Empower** कर सकते हैं। हम एक साथ मिलकर के करोड़ों लोगों को आसानी से कितनी ही बड़ी बातें सिखा सकते हैं, समझा सकते हैं। उन्हें हमारे साथ जोड़ सकते हैं।

साथियों, वैसे तो मेरे चैनल पर हजारों वीडियो हैं। लेकिन मेरे लिए सबसे **Satisfying** वो रहा जब मैंने यूट्यूब के माध्यम से देश के लाखों **Students** से **Exam Stress**, **Expectation management**, **Productivity** ऐसे विषयों पर उनसे बात की।

जब मैं देश की इतनी बड़ी क्रिएटिव कम्युनिटी के बीच में हूँ, तो मेरा मन करता है कि मैं आपसे कुछ विषयों पर बात करूँ। ये विषय ऐसे हैं जो **Mass Movement** से जुड़े हुए हैं, देश की जनता की शक्ति इनकी सफलता का आधार है।

पहला विषय है स्वच्छता- पिछले नौ सालों में स्वच्छ भारत एक बड़ा अभियान बना। सभी ने अपना योगदान दिया, बच्चों ने इसमें एक इमोशनल **power** ला दी। सेलिब्रिटीज़ ने इसको ऊँचाई दी, जन जन ने इसको भारत के कोने कोने में एक मिशन बना दिया और आप **YouTubers** ने **cleanliness** को और **cool** बना दिया।

लेकिन हम रुकना नहीं है, जब तक ये स्वच्छता भारत की पहचान न बन जाये, हम रुकेंगे नहीं। इसलिए आप में से हर एक की **priority** में स्वच्छता जरूर होनी चाहिए।

दूसरा विषय है- डिजिटल पेमेंट्स। **UPI** की सफलता के कारण भारत आज दुनिया की डिजिटल पेमेंट्स में **46** प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। आप देश के ज्यादा से ज्यादा लोगों को डिजिटल पेमेंट के लिए प्रेरित करें, अपने वीडियो के माध्यम से आसान भाषा में उन्हें डिजिटल पेमेंट करना सिखाएं।

और एक विषय है-**Vocal For Local**. हमारे देश में स्थानीय स्तर पर, लोकल लेवल पर, इतने सारे प्रॉडक्ट बनते हैं, हमारे स्थानीय कारीगरों की स्किल लाजवाब होती है। इन्हें भी आप अपने काम के जरिए **promote** कर सकते हैं, भारत के लोकल को ग्लोबल बनाने में मदद कर सकते हैं।

और मैं एक आग्रह और करूँगा. आप, लोगो को भी प्रेरित कीजिये, **emotional appeal** कीजिये कि जिस **product** में हमारी मिट्टी की सुगंध हो, जिस **product** में मेरे देश के किसी मजदूर का, किसी कारीगर का पसीना हो, हम वो चीज़ खरीदेंगे. खादी हो, **handicraft** हो, **handloom** हो, क्या कुछ नहीं है. आप देश को जगाइए. आंदोलन खड़ा कर दीजिये.

और एक बात मेरी तरफ से मैं कहना चाहता हूँ. क्या आपकी **YouTuber** के रूप में, जो पहचान है, उसके साथ आप कोई **activity** जोड़ सकते हैं क्या. मान लीजिये एक सवाल आपके हर **episode** के बाद रखें, या कुछ करने के लिए उनको **action point** दें. वे कर कर के फिर उसको आपके साथ जोड़ें. तो आपकी **popularity** का भी विस्तार होगा और लोग सिर्फ सुनने के बजाय कुछ करने की दिशा में जुड़ेंगे.

चलिए, मुझे आप सभी से बात करके बहुत अच्छा लगा। आप अपने वीडियो के **Last** में क्या बोलते हैं...मैं भी उसे ही रिपीट करूँगा.. मेरा ये चैनल **Subscribe** करें और मेरे हर अपडेट्स आपको मिलें इसके लिए **Bell Icon** जरूर दबाइएगा।

आप सभी को मेरी ढेर सारी शुभकामनाएं।

DS

(रिलीज़ आईडी: 1961454) आगंतुक पटल : 322

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Urdu , Marathi , Bengali , Manipuri , Assamese , Punjabi , Gujarati , Odia , Tamil , Telugu , Kannada , Malayalam

प्रधानमंत्री कार्यालय



आकांक्षी जिलों पर 'संकल्प सप्ताह' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के संबोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 30 SEP 2023 6:29PM by PIB Delhi

कार्यक्रम में उपस्थित केंद्रीय कैबिनेट के मेरे सभी साथी, सरकार के अधिकारीगण, नीति आयोग के सभी साथी और इस कार्यक्रम में देश के अलग-अलग भागों से, अलग-अलग ब्लॉक से grassroots लेवल पे जो लाखों साथी जुड़े हैं, बहुत बड़ी मात्रा में जनप्रतिनिधि भी आज इस कार्यक्रम से जुड़े हैं और इस विषय में रुचि रखने वाले भी आज हमारे साथ भिन्न-भिन्न माध्यमों से जुड़े हैं, मैं आप सबका स्वागत करता हूँ। और इस कार्यक्रम के लिए आप सबको, विशेषकर के नीति आयोग को बधाई भी देता हूँ और आप सबको शुभकामनाएं भी देता हूँ।

आप लोग भारत मंडपम में इकट्ठे हुए हैं और इससे देश की सोच का पता चल सकता है, भारत सरकार की सोच का पता चल सकता है और वो ये है कि एक महीने के भीतर-भीतर अभी वो लोग यहां जमा हुए हैं, जो देश के दूर-सुदूर गांव की चिंता करने वाले लोग हैं, आखिरी छोर पर बैठे हुए परिवार की चिंता करने वाले लोग हैं, उनकी भलाई के लिए योजनाओं को आगे बढ़ाने वाले लोग हैं। और इसी एक महीने में यहां पर वो लोग बैठ रहे थे, जो दुनिया को दिशा देने का काम करते थे। यानि आप canvas का रेंज देख लीजिए। जिस भारत मंडपम में इसी एक महीने में विश्व के गणमान्य नेता मिल कर विश्व की चिंता कर रहे थे उसी भारत मंडपम में मेरे देश के जमीनी स्तर पर बदलाव लाने वाले, मजबूती लाने वाले और हौसलें बुलंद करके काम करने वाले मैं लाखों साथियों के साथ आज मिल रहा हूँ, मेरे लिए गर्व की बात है। मेरे लिए ये summit भी G-20 से कम नहीं है।

हमारे साथ online भी काफी लोग जुड़े हुए हैं। यह कार्यक्रम 'Team भारत' की सफलता का प्रतीक है, ये 'सबका प्रयास' की भावना का प्रतीक है। ये कार्यक्रम भविष्य के भारत के लिए भी अहम है और इसमें संकल्प से सिद्धि ये inherent है, उसका प्रतिबिंब है।

साथियों,

जब भी कभी आजादी के बाद बनी top 10 योजनाओं का अध्ययन होगा, तो उसमें Aspirational District Program को स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। Aspirational District Program ने, आकांक्षी जिला अभियान ने, देश के 112 जिलों में 25 करोड़ से ज्यादा लोगों का जीवन बदल दिया है, quality of life में बदलाव आया है, ease of governance में बदलाव आया है और जो कल तक छोड़ो यार बस जिंदगी पूरी कर लो, ऐसे ही गुजारा करना है। उस सोच में से बाहर होकर के वहां का समाज अब ऐसे नहीं रहना है, कुछ करके दिखाना है इस मूड में है। मैं समझता हूँ ये बहुत बड़ी ताकत है। इस अभियान की सफलता अब Aspirational Block Program का आधार बनी है। District level का experience इतना सफल रहा है कि दुनिया में विकास के मॉडल की चर्चा करने वाले हर कोई इस में से बहुत कुछ lessons खासकर के developing countries के लिए suggest कर रहा है। हमने भी उसी में से बहुत सीखा है और उस में से विचार आया है कि 500 blocks देश के हर राज्य में जहां भी, और एक parameter के तहत इसका मूल्यांकन किया गया है। और उसमें से इन 500 block अगर हम, इसको state की average पर अगर हम ले आए, national average पर ले जाए, आप कल्पना कर सकते हैं कितना बड़ा परिवर्तन आएगा, कितना बड़ा परिणाम आएगा और मुझे विश्वास है कि जिस तरह Aspirational District Program ने कामयाबी का परचम लहराया, वैसे ही Aspirational Block Program भी 100 per cent सफल होने ही वाला है। और इसलिए नहीं कि योजना बड़ी अद्भुत है, इसलिए कि काम करने वाले लोग अद्भुत हैं। अभी कुछ देर पहले मैं 3 साथियों के साथ गप

मार रहा है आप ने सुना चर्चा। देखिए उनका आत्मविश्वास देखिए और जब मैं **grassroot level** पर काम करने वाले आप साथियों का आत्मविश्वास देखता हूँ तो मेरा आत्मविश्वास अनेक गुना बढ़ जाता है, बल्कि **multiply** हो जाता है। मेरी सिर्फ शुभकामनाएं आपके साथ ऐसा नहीं है, मैं पूरी तरह आपके साथ खड़ा हूँ। अगर आप 2 कदम चलें तो मैं 3 कदम चलने के लिए तैयार हूँ, अगर आप 12 घंटे काम करें तो मैं 13 घंटे करने के लिए तैयार हूँ। और मैं आपका एक साथी बनकर के काम करना चाहता हूँ, आपकी टीम का एक सदस्य बनकर के काम करना चाहता हूँ और मुझे विश्वास है कि हम लोग एक **team** बनकर के ये **Aspirational Block** का **success** जो चाहते हैं, अगर हमने उसको 2 साल का टाइम तय किया है तो मुझे पक्का विश्वास है हम डेढ़ साल में कर देंगे, अगर हमने डेढ़ साल तय किया है तो हम एक साल में कर देंगे ये मेरा पक्का विश्वास है। और कुछ तो **Block** ऐसे निकलेंगे जो एक-आद विषय को एक या दो **week** में ही उसको **normal state average** से ऊपर ले जाने का सामर्थ्य रखते हैं, वो करके देंगे मुझे पक्का विश्वास है। क्योंकि आप सबको भी पता है कि मैं इसको हर दिन देखने वाला हूँ, हर दिन बारीकी से देखने वाला हूँ, इसलिए नहीं कि मैं आपकी एग्जाम लेने वाला हूँ, इसलिए कि जब मैं आपकी सफलता देखता हूँ ना तो उस दिन मेरे काम करने की ताकत बढ़ जाती है, मेरा उत्साह बढ़ जाता है। मुझे भी लगता है यार आप इतना काम करते हैं, चलो मैं भी थोड़ा ज्यादा करता हूँ। मैं इसलिए चार्ट को देखता रहता हूँ ताकि वो चार्ट ही मेरा **inspiration** बन जाता है, मेरी ताकत बन जाता है।

और इसलिए साथियों,

Aspirational District Program को, आकांक्षी जिले को अब 5 वर्ष हो गए हैं। इस कार्यक्रम से किसको क्या मिला, क्या पाया, कहां और कैसे बेहतरी हुई, इन सारे विषयों का आकलन जब कोई **3rd Agency** करती है तो वो भी वो संतोष व्यक्त करती है, तो हम लोग तो जो साथ जुड़े हुए हैं, हमें संतोष होना बहुत स्वाभाविक है। आकांक्षी जिला कार्यक्रम से एक और बात तय होती है। अगर हम **Good Governance** की बहुत **basic** चीजों पर ध्यान दें, तो चुनौतीपूर्ण लगने वाले लक्ष्य भी हासिल हो सकते हैं। आकांक्षी जिला प्रोग्राम के लिए हमने बहुत ही सरल रणनीति के तहत काम किया है। आपने भी देखा है, जब कोई बीमार होता है, तो वो डॉक्टर के पास जाता है। वहां डॉक्टर पहले मान लीजिए उसको लगता है गंभीर बीमारी है सर्जरी करने की जरूरत है लेकिन डॉक्टर **urgency** है तो भी कहेगा नहीं अभी 15 दिन नहीं पहले आपकी इम्यूनिटी ठीक होनी चाहिए। ताकि **operations** हो तो आपका शरीर **respond** करे ऐसे स्थिति होनी चाहिए, उसकी क्षमता बढ़नी जरूरी होती है। और वो मरीज को भी उसी प्रकार के उपचार करता है, उसी प्रकार की मदद करता है, उसी प्रकार की तैयारी करवाता है फिर जैसे ही बॉडी **respond** के योग्य हो जाए फिर वो गंभीर बीमार को हैंडल करने की दिशा में जाता है, सर्जरी करेगा बाकी कोई आवश्यकता नहीं है। तब तक वो गंभीर बीमारी को हाथ नहीं लगता है। ये सुनिश्चित कर लेता है कि मरीज का शरीर सर्जरी के लिए तैयार है। कोई भी शरीर तब तक पूरी तरह स्वस्थ नहीं माना जाता, जब तक हर अंग ठीक से काम ना करे। अब **parameter** देखा **weight** ठीक है, **height** ठीक है, **ठिकना** ठीक है, फला ठीक है लेकिन शरीर का एक अंग काम नहीं करता है उसको स्वस्थ मानेंगे? नहीं मानेंगे। उसी प्रकार से हमारे देश में भी हर **parameter** पर देश एकदम से मानो **developed country** जैसा लगता हो लेकिन उसके अगर 2,4,10 जिलें, 2,4 ब्लॉक पीछे रह गए तो क्या लगेगा? और इसलिए जैसे एक मरीज को डॉक्टर जिस प्रकार से पूरे शरीर को **address** करके काम करता है, जैसे हम भी अपने शरीर की स्वस्थता का मतलब हर अंग का स्वस्थ होना मानते हैं, परिवार में भी अगर एक व्यक्ति बीमार होता है तो परिवार की पूरी शक्ति, परिवार का पूरा ध्यान, परिवार के सारे कार्यक्रम उसी के आस-पास केंद्रीत हो जाते हैं बाकी सारे कार्यक्रमों को **compromise** करना पड़ता है। कोई बीमार है बाहर जाना है तो रोकना पड़ता है, परिवार भी पूरा स्वस्थ होगा तब जाकर के परिवार अपने जीवन का विकास कर सकता है। वैसे ही अपना **district**, अपना गांव, अपना तहसील सर्वांगीण विकास, सर्वस्पर्शी विकास, सर्वहितकारी विकास ये अगर हम नहीं करते हैं तो आंकड़ें शायद बढ़ जाए, आंकड़ें शायद संतोष भी दें लेकिन मूलतः परिवर्तन संभव नहीं होता है। और इसलिए आवश्यक है कि **grassroot level** की हर **parameters** को पार करते हुए हमें आगे बढ़ना चाहिए। और हम आज इस **summit** के अंदर जो लोग मेरे साथ बैठे हैं, आप देख सकते हैं इसके पीछे क्या इरादा है। यहां पर भारत सरकार की **top team** भी बैठी हुई हैं, सारे सचिव यहां बैठे हुए हैं जो नीति निर्धारण काम करते हैं वो सब हैं। अब मेरे सामने 2 विषय है क्या मैं इनके पीछे शक्ति लगाकर के जो **top** है उसी का ठीकठाक कर? कि मैं धरातल पर मजबूती के लिए काम करूँ, मैंने रास्ता चुना है धरातल पर मजबूती का और धरातल की मजबूती से ये हमारा **pyramid** ऊपर जाएगा। विकास का जो सबसे नीचे का तबका है वो जितना ज्यादा विकसित होगा मैं समझता हूँ उतना ज्यादा परिणाम मिलेगा। और इसलिए हमारी कोशिश यही है हम इस प्रकार से **development** को आगे बढ़ाएँ, हमारी कोशिश ये होनी चाहिए। उसी प्रकार से जैसे कि

हमने Development Block के लिए सोचा, मैं, सरकार के यहां सचिव बैठे हैं उनको भी आग्रह करता हूं। दो दिशा में और हम काम कर सकते हैं इस काम को आगे बढ़ाने के लिए हर विभाग अपने काम के लिए मान लीजिए पूरे देश में 100 Block identify करें। और उनको पूरी दुनिया देखने की जरूरत नहीं है, उनके विभाग में कौन से 100 Block हैं जो पीछे हैं। और अगर मानो Health को लगता है कि इस पूरे देश में 100 Block सबसे पीछे हैं तो भारत सरकार का Health विभाग उन 100 को स्थिति सुधारने के लिए क्या काम करना है उसकी रणनीति बनाएगा। शिक्षा विभाग अपने विभाग के लिए 100 Block चुने, शिक्षा विभाग के वो 100 Block हैं वो भारत सरकार का शिक्षा विभाग देखे कि मैंने जो 100 Block सबसे पीछे identify किए हैं, मैं इसको, हमें ये Aspirational District, Aspirational Block ये नीति आयोग का कार्यक्रम बनने नहीं देना है मुझे ये सरकार का स्वभाव बनाना है, केंद्र और राज्य सरकारों का स्वभाव बनाना है, केंद्र और राज्यों के विभागों को स्वभाव बनाना है। जब सब विभाग तय करें कि मेरे यहां last जो 100 हैं वो अब average से ऊपर चले गए हैं आप देखिए सारे parameters बदल जाएंगे। तो ये जो Aspirational Block है उसको काम करने का तरीका राज्य, district उनकी ईकाइयों के द्वारा होगा। लेकिन क्या देश में इस प्रकार से विचार कर-कर के हम इसको आगे बढ़ा सकते हैं? और मैं मानता हूं कि उस दिशा में हमें प्रयत्न करना चाहिए। और इस तरह से सारे विभागों में, अगर Skill Development है तो वो भी देखें कि हिन्दुस्तान के ऐसे कौन से 100 Block है कि जहां पर मुझे इसको बल देने की जरूरत है। उसी प्रकार से राज्य सरकारें, राज्य सरकारें ज्यादा नहीं सबसे पीछे जो है ऐसे 100 village select करें, पूरे राज्य में से 100, एक दम जो पीछे हैं, 100 गांव select करें उनको एक बार, 2 महीना, 3 महीना के काम के अंदर बाहर ले आए, उससे आपको पता चलेगा conversions कैसे होता है, वहां की समस्याओं का समाधान कैसे होता है, वहां पर अगर staff नहीं है, वहां पर recruitment की जरूरत है recruit करना है। वहां young अफसर को लगाने की जरूरत है तो young अफसर को लगाना है। अगर एक बार उनके सामने model हो गया कि उनके 100 village को उन्होंने एक महीने में ठीक कर लिया तो वो model उनके 1000 हजार गांवों को ठीक करने में देर नहीं करेगा, वो replica होगा, परिणाम मिलेगा। और इसलिए अब देश आजादी को 75 साल पूरे कर चुका है हम 2047 में देश को विकसित भारत के रूप में देखना चाहते हैं, developed country के रूप में देखना चाहते हैं। और developed country का मतलब ये नहीं है कि दिल्ली, मुंबई, चेन्नई के अंदर जहां भव्यता दिखे और हमारे गांव पीछे रह जाए हम उस model को लेकर चलते नहीं हैं, हम तो 140 करोड़ लोगों के भाग्य को लेकर चलना चाहते हैं। उनके जीवन को बदलाव करना चाहते हैं और उसके लिए जो parameter तय किए हैं और मैं चाहता हूं कि इसके बीच में competition का भाव आये। मैं तो जब Aspirational District को regularly देखता था मुझे इतनी खुशी होती थी। एक तो उसमें ऐसे ही चीजें भरने के लिए कोई सुविधा ही नहीं है। जब तक कि धरती पर verified information ना हो ऐसे ही आंकड़े भरने से कोई होने वाला काम नहीं है। ये तो करना ही पड़ता है ऐसा काम है। लेकिन मैं देख रहा था कि कुछ district के अफसर इतने उत्साहित थे कि हर दिन 2 दिन में, 3 दिन में वो अपने performance को upload करते थे, improve करते थे और फिर मैं देखता था पहले 6 महीने में लगता था आज ये district आगे निकल गया तो फिर 24-48 घंटे में पता चलता था ये तो पीछे रह गया वो उससे भी आगे चला गया तो फिर 72 घंटे में पता चलता था कि वो तो उससे भी आगे है। यानि इतना positive, competitive nature बन गया था, उसने परिणाम लाने में बहुत बड़ा बदलाव किया है और इससे सबसे बड़ा फायदा ये हुआ है कि पहले मेरा तो अनुभव है मैं गुजरात में काम करता था हमारे यहां कच्छ district में अगर किसी अफसर का transfer होता था तो उसके सारे colleague उसको कहते थे कि तेरा सरकार से झगड़ा है क्या? क्या मुख्यमंत्री जी तुझ से नाराज है क्या? क्या तुम्हारा political कोई problem है क्या? तुझे punishment posting क्यों दिया गया? उसके साथी उसको टाइट करते थे और वो भी मानने लगता था मैं मर गया। लेकिन जब उस कच्छ district में भूकंप के बाद अच्छे अफसरों को लगाने की जरूरत पड़ी, सबको incentive दिया गया, लाये गए (1.09.23) आज स्थिति ऐसी है गुजरात में कि कच्छ district में अगर appointment मिलती है तो ये सरकार का सबसे प्रिय अफसर माना जाएगा। यानि जो कल तक punishment posting वाली जगह मानी जाती थी वो एक प्रकार से सबसे सम्मानीय जगह बन जाए, ये संभव होता है। जो Aspirational District, आमतौर पर काफी आयु हो चुकी है, थक गए हैं, अरे चलो यार ये तो बेकार जिला है कुछ perform करता नहीं है रख दो उसे। हमने जब से Aspirational District में young अफसरों को लगाने के लिए कहा धमा-धम परिणाम आने लगे क्योंकि उनका उत्साह था, कुछ करना था और उनको भी लगता था 3 साल यहां करूंगा तो सरकार मुझे कोई बहुत अच्छा काम दे देगी और हुआ भी, Aspirational District में जिन लोगों ने काम किया उनको बहुत अच्छी जगह मिली बाद में।

Aspirational Block के लिए भी मैं राज्य सरकारों से आग्रह करूंगा और भारत सरकार के अधिकारी भी ध्यान दें कि जो Block के अंदर सफल हो रहे हैं ना आगे उनका भविष्य भी उज्ज्वल होना चाहिए, उन अफसरों का विशेष रूप से ताकि उनसे पास कुछ करने का जज्बा है, वो धरती पर परिणाम लाने वाले लोग हैं उन टीमों को आगे बढ़ाना चाहिए, specially उनको encourage करना चाहिए।

दूसरा आपने देखा होगा सरकार में एक परंपरा बन गई है। पहले अपने यहां output को ही एक प्रकार से काम माना जाता था, इतना बजट आया, वो बजट यहां गया, उसमें से इतना उधर गया, उसमें से उतना ईधर गया मतलब कि बजट खर्च हुआ। Output को ही हमारे यहां एक प्रकार से achievement माना जाता था। आपने देखा होगा कि 2014 के बाद हमने सरकार का Outcome Budget भी देना शुरू किया, Budget के साथ outcome का report देना शुरू किया और outcome के कारण qualitative change बहुत बढ़ा आया है। हम भी अपने block में देखें कि मैं जिस योजना के लिए पैसे लगा रहा हूं, जिस योजना के लिए समय लगा रहा हूं, जिस योजना के लिए मेरे इतने अफसर काम में लगे हुए हैं, कोई outcome मिलता है कि नहीं मिलता है। और हमने उस outcome को पाने के लिए क्या करना चाहिए, साथियों जितना महत्व कुछ लोगों को लगता है पैसे होंगे तो काम होगा आप विश्वास कीजिए साथियों मेरा बहुत लंबा अनुभव है। सरकार चलाना इतना लंबा अनुभव बहुत कम लोगों को मिलता है जो मुझे मिला है और मैं अनुभव से कहता हूं कि सिर्फ बजट के कारण ही बदलाव आता है ऐसा नहीं है अगर हम संसाधनों को optimum utilization और दूसरा conversions इसको अगर हम ध्यान दें तो हम block के development के लिए एक नया पैसा आये बिना भी उस काम को कर सकते हैं। अब जैसे मान लीजिए MGNREGA का काम चल रहा है लेकिन क्या मैंने प्लान किया है कि वो MGNREGA का काम वही होगा जो मेरे development के design के साथ जुड़ेगा? मैं MGNREGA का काम वहीं करूंगा ताकि मुझे जो road की मिट्टी डालनी है उसी road की मिट्टी डलवा दूंगा तो मेरे road का आधा काम तो हा ही जाएगा, conversions हो गया। यानि जो conversions करते हैं, पानी है, मान लीजिए कुछ इलाके हैं जहां पानी की दिक्कत है और आपका साल में 3-4 महीना उस पानी के लिए ही मसक्कत करनी पड़ती है। लेकिन आपने अगर MGNREGA में तय किया उस इलाके में सबसे ज्यादा तालाब बनाने हैं, सबसे ज्यादा पानी storage करना है, mission mode में काम करना है तो आपको अगले साल जो 4 महीना सिर्फ पानी के लिए 25 गांव के पीछे बिगड़ते हैं, बंद हो जाएंगे, आपकी शक्ति बच जाएगी। Conversions बहुत बड़ी ताकत रखता है। और मैं मानता हूं कि good governance की पहली शर्त यहीं है कि हम संसाधनों का optimum utilization करें।

दूसरा एक अनुभव आया है और मैं अपने अनुभव से कहता हूं होता क्या है? बहुत स्वाभाविक टीचर भी क्लास में, अगर inspection आने वाला है तो जो अच्छे हुनहार students होते हैं उनको थोड़ा tip देता है और वो कहते जब inspection में कोई सवाल पूछे तुम हाथ तुरंत ऊपर कर देना। मैं टीचरो वाला जानता हूं सब। बहुत स्वाभाविक है भई उसको जरा रोब जमाना है तो एक अच्छा लड़का हाथ ऊपर कर देगा। कहने का मेरा तात्पर्य है कि हम स्वभाव से जहां immediate result मिलता है उस में invest ज्यादा करते हैं। अगर मुझे सरकार में, मानो भारत सरकार में मुझे एक target पूरा करना है और मुझे लगता है ये 6 राज्य हैं उनको कहेंगे तो हो जाएगा तो मैं उन 6 राज्यों पर ही ध्यान केंद्रीत करना हूं बाकी 12 राज्य जिसको जरूरत है, लेकिन क्योंकि उनका perform poor है तो मैं वो संसाधन उधर जाने नहीं देता और मैं एक मीठी चाय में और 2 चम्मच चीनी डाल देता हूं। होता क्या है कि जो develop हो चुके हैं, जो perform कर रहे हैं उनको इतना अधिक मिल जाता है वो संसाधनों को wastage होता है। अब देखिए आपके घर में एक जमाना था जब मैं पढ़ता था मेरे तो नसीब में वो नहीं था लेकिन मेरे साथियों को उनके मम्मी-पापा कहते थे कि तुम अगर 10वीं इतना नंबर लाओगे तो तुझे घड़ी लाकर दूँगे, तुम 12वीं में इतना लाओगे तो भेंट करेंगे। मेरे समय में ऐसा था। आज किसी भी घर के कौने में हाथ डालो 3-4 घड़ी ऐसे ही मिल जाती हैं। कुछ घड़ी तो ऐसी होगी उनको 6 महीने से हाथ नहीं लगाया होगा लेकिन एक गरीब के घर में एक घड़ी होगी तो वो घड़ी 365 दिन लगाएगा और संभाल कर रखेगा। संसाधन जहां पड़ा हुआ है वहां extra देने से wastage है, जहां जरूरत देने से उसका अतिरिक्त उपयोग होता है। और इसलिए मैं मानता हूं कि हमारे संसाधनों का equal distribution और जहां need base है वहां विशेषतौर पर distribution ये आदत हम डालेंगे तो उनको एक ताकत मिलेगी और इस दिशा में हमें काम करना चाहिए। उसी प्रकार से आपने देखा होगा कोई भी काम करना है, हम ये भ्रम में हैं कि सरकार सबकुछ कर लेगी, ये पिछली शताब्दी की सोच है दोस्तों, सरकार ही सबकुछ कर लेगी इस सोच से हमें बाहर आना चाहिए। समाज की शक्ति बहुत बड़ी होती है, आप सरकार को कहो कि भई तुम रसोई घर चलाओ हमें मध्यान भोजन करना हो तो आखों से पानी निकल

जाता है, लेकिन हमारे सरदार भाई-बहन लंगर चलाते हैं, लाखों लोग खाते हैं कभी थकान महसूस नहीं हुई, ये तो हो रहा है। समाज की एक शक्ति होती है, इस समाज की शक्ति को हम जोड़ते हैं क्या? जिन-जिन block में या जिले में leadership की समाज को जोड़ने की ताकत है, मेरा अनुभव है वहां परिणाम जल्दी मिलता है।

ये स्वच्छता का अभियान आज सफलता की दिशा में उस ने अपनी एक जगह बना ली है, क्या कारण है? क्या ये मोदी के कारण हो रहा है क्या? क्या ये 5-50 लोग झाड़ू लगाते हैं उसके कारण हो रहा है क्या? जी नहीं, समाज में एक वातावरण बना है कि अब गंदगी नहीं करेंगे और जब समाज तय करता है ना गंदगी नहीं करूंगा तो स्वच्छता करने की जरूरत ही नहीं पड़ती दोस्तों। जन भागीदारी ये बहुत अनिवार्य है और हमारे यहां leadership की एक बड़ी विकृत व्याख्या हो गई है कि जो लंबा कुर्ता-पजामा पहनकर के, खादी के कपड़े पहनकर आ जाए वहीं leader होता है। जीवन के हर क्षेत्र में leadership होती है। शिक्षा के क्षेत्र में leader चाहिए, agriculture sector में leader चाहिए और वो political लीडरों की जरूरत नहीं है जी। हमारे अफसर भी leader होते हैं, वे भी motivate करते हैं। हम block level पर leadership कैसे बनाए और ये जो संकल्प सप्ताह है ना उसमें एक-एक group बैठने वाले हैं उसको एक मकसद है team spirit। Team spirit, बनेगा तो leadership आएगी, team spirit बनेगा तो जन भागीदारी के नए-नए ideas आएंगे। आप ने देखा होगा कि कभी कोई natural calamity आती है, क्या सरकारी संसाधन उस natural calamity को handle कर सकते हैं? देखते ही देखते इतनी बड़ी मात्रा में लोग जुड़ जाते हैं कि देखते ही देखते समस्याओं को समाधान करने लग जाते हैं। लोग करने लग जाते हैं और उस समय हमें भी लगता है अरे वाह समाज ने इतनी बड़ी मदद कर दी मेरा काम हो गया। अफसर को भी लगता है यार अच्छा हो गया इन लोगों ने मदद कर दी मेरा काम हो गया।

जो भी grassroot level पर काम करते हैं उनको पता है कि इस प्रकार की जो समाज की शक्ति है उसको पहचानना, समाज की शक्ति को जोड़ना। हमारे स्कूल, कॉलेज अच्छे चलें। अगर परिवार के लोग जुड़ते हैं guardians जुड़ते हैं, parents आते हैं तो देखिए वो स्कूल कभी पीछे नहीं रहेगा। और इसके तरीके ढूंढने चाहिए। मैं हमेशा कहता हूं कि भई गांव का जन्म दिवस मनाइए, आपके यहां railway station है तो railway station का जन्मदिन ढूंढिए, record में मिल जाएगा उसका जन्मदिन मनाइए। आपके यहां स्कूल 80 साल पुरानी होगी, 90 साल पुरानी होगी, 100 साल पुरानी होगी उस स्कूल की जन्म तारीख निकालिए, और उस स्कूल में पढ़कर के गए हुए जितना जिंदा लोग हैं उनको एक बार इकट्ठा कीजिए।

जन भागीदारी के तरीके होते हैं, जन भागीदारी का मतलब ये नहीं कि तुम donation दे दो। अब जैसे कुपोषण है, आंगनवाड़ी में कुपोषण की समस्या अगर मुक्त करनी है तो क्या बजट से होगी, वो एक तरीका है लेकिन अगर मैं कहूं कि भई मेरे गांव के अंदर एक तिथि भोजन का कार्यक्रम करूंगा। उस तिथि भोजन के कार्यक्रम में किसी की जन्मजयंती है, किसी के माता-पिता की मृत्यु तिथि है, किसी की लग्न तिथि है तो मैं उनको कहूंगा देखिए अपने गांव में ये आंगनवाड़ी है 100 बच्चें हैं, आपका जन्मदिन है अगर आप घर में कुछ अच्छा खाना खाने वाले हो, करने वाले हो ऐसा करो इन 100 बच्चों के लिए आपके जन्मदिन के नीमित आप एक फल लेकर आइए सब बच्चों को एक-एक केला दे दीजिए। उसका जन्मदिन मन जाएगा और कहना है खुद आना है और खुद उन बच्चों को देना है तो सामाजिक न्याय भी होता है, समाज में जो दूरी होती है वो भी हट जाती है। और आपको साल में, गांव में 80-100 परिवार जरूर मिल जाएंगे जो स्कूल में आ कर, आंगनवाड़ी में आ कर उन बच्चों को बढ़िया चीज खिलाएंगे, seasonal जो चीज होगी, मान लीजिए खजूर आ गई वो कहेगा कि चलो भई आज मैं 2-2 piece लेकर के जाता हूं ये 100 बच्चें हैं जरा खिला कर आता हूं। जन भागीदारी है। सरकार का बजट में इतना बचाने का काम नहीं है। जन भागीदारी की ताकत में जब गुजरात में था मैंने तिथि भोजना का अभियान चलाया था और सारे धार्मिक कथागार वगैरा भी अपने भाषण में लोगों को आह्वान करते थे। करीब-करीब 80 दिन उस समय की मैं बात करता हूं अभी तो मुझे पता नहीं है, साल भर में 80 दिन ऐसे निकलते थे कि किसी न किसी परिवार का अच्छा अवसर वो स्कूल के बच्चों के साथ आकर के मनाते थे और बच्चों को बढ़िया खिलाते थे, कुपोषण के खिलाफ लड़ाई भी होती थी और ये खाना खिलाने का tension जो टिचर का रहता है वो भी मुक्ति हो गई थी। मेरे कहने का तात्पर्य ये है कि समस्याओं के समाधान में जन भागीदारी का सामर्थ्य बहुत बड़ा होता है। अगर हमें, मान लीजिए T.B., हमारे Block में अगर 10 भी T.B. के patient हैं और T.B. Mitra वाली जो योजना है हम इनको जोड़ लें और हम कहे कि भई आप इनको जरा हर हफ्ते फोन करते रहिए, आप जरा उनको पूछते रहिए 6 महीने में T.B. गायब हो जाएगा उसका। हम जितना लोगों को जानेंगे, शुरू में मेहनत पड़ती है जोड़ने में लेकिन बाद में शक्ति बन जाती है। आपने देखा होगा आज विश्व में भारत का नाम गूंज रहा है। आप भी अनुभव करते

होंगे। अखबार में तो आता है कि मोदी के कारण हो रहा है, मोदी के कारण हो रहा है, मोदी सरकार की diplomacy बहुत बढ़िया है, ठिकाना है, फलाना है, मुझे भी ऐसा लगता है। लेकिन reality में एक कारण और भी है जिसकी तरफ लोगों का ध्यान नहीं जाता है, जो हमारा diaspora है। भारत से गए हुए लोग जो उस देश में रहते हैं, उनके अंदर जो सक्रियता आई है, उनके अंदर जो संगठित ताकत खड़ी हुई है, उनकी public life में जो भागीदारी बढ़ी है तो उन देशों के लोगों को भी लगता है कि यार ये बड़े उपयोगी लोग हैं और उसके कारण भारत उपयोगी लगने लगा। यानी जग भागीदारी की ताकत अगर विदेश नीति में काम आती है तो जन भागीदारी की ताकत मेरे Block में तो बढ़ी आसानी से आ सकती है साथियों। और इसलिए मैं आपसे आग्रह करता हूँ कि ये जो संकल्प सप्ताह है उसका maximum उपयोग कीजिए, खुले मन से चर्चा कीजिए, design workout कीजिए। उसी प्रकार से हमारे संसाधनों का उपयोग कीजिये। हमारे यहां क्या होता है एक Block में 8-10 शायद vehicle होते हैं, ज्यादा तो होते भी नहीं हैं और कुछ ही अफसरों के पास vehicle रहते हैं, अब दूर travel करने की जिम्मेदारी तो कई लोगों के पास है जिनके पास साधन नहीं होते हैं। मैंने गुजरात में एक प्रयोग किया था वो बड़ा सफल रहा अगर मान लीजिए एक Block में 100 गांव हैं तो मैंने 10 अफसरों को 10-10 गांव दे दिए। और मैंने कहा कि आप अपनी गाड़ी में जाएंगे तो इन 5 विभाग के जो junior अफसर हैं उन पांचों के junior अफसर को भी अपनी गाड़ी में बैठा लीजिए और एक महीने तक आप इन 10 गांवों की ही चिंता करें। सभी विषय आप चर्चा करेंगे आप भले agriculture विभाग के अधिकारी हैं लेकिन आप उस गांव में जाकर के शिक्षा की भी चर्चा करेंगे, खेती की भी चर्चा करेंगे, पानी की भी चर्चा करेंगे, पशुओं की भी चिंता करेंगे सारे। दूसरा, दूसरे 10 गांव में, तीसरा, तीसरे। वो महीने भर उसको 10 ही गांव रहते थे फिर एक महीने के बाद बदल देते थे। अनुभव ये आता था कि silos खत्म हो गए whole of the government approach आया और ये जो 10 अफसर थे अब सप्ताह में एक दिन बैठ कर अपने experience share करते थे कि भई उस इलाके में मैं गया था मेरा विभाग तो शिक्षा है लेकिन मैंने agriculture में ये चीज देखी। पानी के क्षेत्र में... उतनी ही संसाधनों का optimum utilization होता था। और परिणाम बहुत उत्तम आने लगे और 10 अफसर ऐसे थे जिनको उस Block की पूरी जानकारी नहीं रहती थी। वो होगा agriculture लेकिन उसको शिक्षा का भी मालूम होता था, वो शिक्षा में था लेकिन उसको health का भी मालूम रहता था। मैं समझता हूँ हमें अपनी strategy बदलनी चाहिए, अगर हम governance की हमारी strategy बदलते हैं और हम हमारे संसाधनों का भरपूर उपयोग, और आज communication की ताकत भी है और communication समस्या भी है। लगता है कि मैं video conferences से जानकारी ले लूंगा, मैं mobile से जानकारी ले लूंगा, physically जाने का जो लाभ है ना साथियों इसका कोई alternate नहीं है। जो आज मैं अभी आपके साथ बोलता हूँ वो आप अपने गांव में रहे होते और हो सकता है मैं video conference में कुछ नया नहीं कहता ये ही कहता। लेकिन यहां आने के बाद आपसे आखों से आख मिलाने के बाद जो ताकत आती है ना वो video conference से नहीं आती है। और इसलिए हमारा physical जितनी जिम्मेदारियां हैं, physically जाकर के करनी हैं उसमें कभी भी compromise नहीं करना चाहिए। हम जब उस स्थान पर जाते हैं, हमें उसकी ताकत की पहचान मिलती है ये जो Aspirational Block है आपको शायद पहली बार जब ये सप्ताह चलेगा तो पहले कभी नहीं ध्यान गया होगा आपके अपने साथियों के सामर्थ्य विषय में पहले पता नहीं होगा, कभी-कभी तो नाम भी पता नहीं होगा आपके ऑफिस में रोज मिलता होगा, नमस्ते भी हो जाती होगी नाम भी पता नहीं होगा। लेकिन ये जब एक सप्ताह आप साथ बैठेंगे, आपको उसकी शक्ति का परिचय होगा, उसकी विशेषताओं का परिचय होगा और वो ही हमारे team spirit के लिए बहुत अनिवार्य होता है। और जब एक team बन जाती है तो इच्छित परिणाम अपने आप मिल जाते हैं। और इसलिए साथियों मेरा आप सबसे आग्रह है कि हमें 3 महीने के भीतर-भीतर मान लीजिए आप एक 30 parameter में पीछे हैं, 5 parameter ऐसे तय कीजिए जिसमें हम पूरी तरह state की average से बाहर आ जाते हैं, कर लीजिए। तो आपका confidence बढ़ेगा यार 5 तो हो गए तो अब तो 10 हो सकते हैं। और इसलिए हम स्कूल में भी पढ़ते थे तो टीचर क्या पढ़ाते थे, जब exam में बैठते हो ना जो easy answer है वो पहले लिखों, ऐसा सिखाते थे। तो वो टीचर ने सिखाया हुआ अभी भी काम में आता है, आप भी आपके यहां जो सरल चीजें हैं वो तो सबसे पहले solve करें उसमें से बाहर निकल जाइए, तो अगर 40 चीजें हैं तो 35 पर पहले आ जाइए। धीरे-धीरे करके एक-एक समस्या से निकलते जाएंगे आप देखते ही देखते आपका Block Aspirational में से औरो का aspiration बढ़ाने का aspiration बन जाएगा। वो अपने आप में एक inspiration बन जाएगा। और मैं मानता हूँ कि हमारे 112 Districts जो कल तक Aspiration Districts थे आज inspirational districts बन गए हैं, देखते ही देखते एक साल के भीतर-भीतर 500 Aspirational Blocks हैं जो 500 में से atleast 100 inspirational blocks बन जाएंगे। पूरे राज्य के लिए inspirational blocks बन जाएंगे। और इस काम को पूरा करिए। साथियों मुझे अच्छा

लगा इस कार्यक्रम में आप सबसे बात करने का मौका मिला जो online मुझे सुन रहे हैं उनको भी मैं अनेक-अनेक शुभकामनाएं देता हूं। हम mission mode में चलें और मैं विभागों के लोगों को भी कहता हूं कि आप 100 Blocks पूरे देश में से चयनित कीजिए और उनको भी समय सीमा में आप national average तक ले आइए। हर विभाग इस प्रकार से काम करें मैं नहीं मानता हूं grassroot level पर कहीं कोई काम छूट जाएगा। सारे काम 1-2 साल में पूरे हो जाएंगे। दोस्तों मैं अभी से आपको कहता हूं 2024 में हम फिर अक्टूबर-नवंबर में मिलेंगे, physically मिलेंगे और हम इसका लेखा-जोखा करेंगे और मैं उस समय यहां audience में बैठकर आप में से 10 लोगों के सफलता की बातें सुनना चाहूंगा और फिर मुझे जो कहना है वो मैं अगले साल 2024 अक्टूबर या नवंबर में आपसे बात करूंगा। तब तक के लिए मैं आपके काम के लिए ज्यादा आपका समय नहीं लेता हूं क्योंकि आपको Block को जल्दी आगे बढ़ाना है, तो मुझे अब आपका समय नहीं लेना चाहिए। बहुत-बहुत शुभकामनाएं, बहुत-बहुत धन्यवाद।

DS/RT/RK

(रिलीज आईडी: 1962420) आगंतुक पटल : 873

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Urdu , Marathi , Manipuri , Punjabi , Gujarati , Odia , Tamil , Kannada